प्रेस-विज्ञप्ति **01/03/2016**

मर्चेंट्स चेम्बर ऑफ उत्तर प्रदेश, कानपुर उद्योग व्यापार मंडल, इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन, कानपुर इनकम टैक्स बार एसोसिएशन एवं नेशनल (डायरेक्ट टैक्स) ट्रिब्यूनल बार एसोसिएशन

द्वारा

करदाताओ की जागरूकता, करदाताओ की संख्या बढाने एवं प्रत्यछ-कर संग्रह, करदाताओं की समस्याओं के समाधान के लिए तथा यूनियन बजट (2016-17) के विश्लेषण पर गोष्ठी

दिनांक 01 मार्च, 2016 को **सायं 04.00 बजे** से मर्चेंट्स चेम्बर ऑफ उत्तर प्रदेश, कानपुर उद्योग व्यापार मंडल, इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन, कानपुर इनकम टैक्स बार एसोसिएशन एवं नेशनल (डायरेक्ट टैक्स) ट्रिब्यूनल बार एसोसिएशन केसंयुक्त तत्वाधान में **"करदाताओ की जागरूकता, करदाताओ की संख्या बढाने एवं प्रत्यक्ष -कर संग्रह, करदाताओं की समस्याओं के समाधान के लिए तथा यूनियन बजट (2016-17) के विश्लेषण"** के लिए एक गोष्ठी का आयोजन किया गया |

श्री शांतनु धामीजा, सी0आई0टी0, ने आयोजित गोष्ठी में कर की अपील पर सूचित किया की विभाग और करदाताओ के बीच की अविश्वसनीयता को कम करने हेतु विभाग एवं व्यापारी दोनों के समीप आना चाहिए जिसमें श्री धामीजा जी ने यह भी कहा कि आयकर विभाग 1995 तक कि कम राशि वाली अपीलो को भी प्राथमिकता दे रहा है |

गोष्ठी के मुख्य-अतिथि श्री आशु जैन, आई0आर0एस0, पीआर0 सी0आई0टी0(केन्द्रीय)ने अपना वक्तव्य चाणक्य-निति के वाक्य **"कोष मूलो दण्ड:"** के साथ प्राम्भ किया और इसका सार भी बताया "Revenue is the Backbone of the Government" |

श्री जैन जी ने अपने अनुभवों को पधारे हुए लोगों के साथ साझा किया और बताया कि पहले और अब के समय में अंतर हो चुका है आज करदाता और करसंग्राहक दोनों ही कर के विषय में पूर्ण रूप से परिचित है |

श्री जैन जी ने चीफ इकनोमिक एडवाइजर अरविंद सुब्रमनियम द्वारा दिए गए वक्तव्य के आधार पर सूचित किया कि आज भारत में 130 करोड़ में से 3.83 करोड़ करदाता है जबकि यह आकडा 23 करोड़ तक होना चाहिए था |

श्री जैन जी ने यह भी सूचित किया की आज टैक्स एवं जी0डी0पी0 का अनुपात 5.81 % है जबकि यह अनुपात भारत के अन्य समकक्ष देशो OECD (The Organization for Economic Co-operation and Development) में यह लगभग 35% है हमें इस दिशा में भी प्रयास करना होगा | हमें भी यह अनुपात बढाना होगा इसके लिए विभाग प्रयासरत है तथा देश की जन ता को भी प्रयास करना होगा |

श्री जेन जी ने यह भी सूचित किया कि आज के इस कम्प्यूटरीकरण के युग ने करदाता के पंजीकरण, वन पॉइंट सलूशन, रिफंड, क्लेम, और स्क्रूटिनी जैसी प्रक्रियाओ को बहुत हद तक सरल बना दिया है |

श्री जैन ने यह भी माना कि अब भी विभाग में कुछ समस्याए जैसे रेक्टिफीकेसन एवं एसेस्ट्स के जब्त होना, व्याप्त है जिन्हें दूर करने की आवश्याकता है |

श्री विजय पंडित, अध्यक्ष, कानपुर उद्योग व्यापार मंडल, ने कदाताओ की ओर से कहा कि विभाग ने आने वाले व्यपारियों के सम्मान से दखा जाना चाहिए और यदि कोई भय दिखाता है तो कर देने की स्थिति में होने पर भी वह आगे नहीं आते |

श्री विजय जी ने यह भी बताया कि करदाताओं तथा अधिकारी/कर्मचारियों के मध्य मधुरता स्थापित करने से कर राशि में बढावा आ सकता है | उन्होंने यह भी कहा कि केस समाप्त होने के पश्चात भी जब्त की गई राशि व् वस्तुए वापस नहीं की जाती |

श्री विजय जी ने यह भी बताया की ई-फायलिंग के पश्चात, स्क्रूटिनी में केस चिन्हित होने के उपरान्त आयकर विवरणी, ऑडिटेड एकाउंटेंट इत्यादि आयकर दाता से क्यों मांगी जाती है जबकि यह जानकारिया कंप्यूटर से प्राप्त हो सकती है |

डॉ आई0एम0रोहतगी, अध्यक्ष, मर्चेंट्स चैम्बर ऑफ उत्तर प्रदेश ने पधारे हुए मुख्य अतिथि श्री आशु जैन, आई0आर0एस0, पीआर0 सी0आई0टी0(केन्द्रीय), विशिस्ट अतिथि श्री अशोक त्रिपाठी, सी0आई0टी0, श्री वीरेंदर सिंह, सी0आई0टी0, श्री शांतनु धमीजा, श्री दुर्गा चरन दास, प्रिंसिपल सी0आई0टी0, श्री अंशु शुक्ला पाण्डेय, सी0आई0टी0, श्री प्रदीप हेडू, सी0आई0टी0, एवं सभी श्रोतागण का मर्चेंट्स चैम्बर ऑफ उत्तर प्रदेश एवं कानपुर उद्योग व्यापार मंडल, इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन, कानपुर इनकम टैक्स बार एसोसिएशन एवं नेशनल (डायरेक्ट टैक्स) ट्रिब्यूनल बार एसोसिएशन की और से हार्दिक अभिनन्दन किया |

संगोष्ठी के द्वितीय चरण में श्री एम0एल0जैन, अध्यक्ष, नेशनल (डायरेक्ट टैक्स) ट्रिब्यूनल बार एसोसिएशन ने बताया कि इस बजट में अघोषित संपत्ति पर लगने वाले कर का 45% कर देकर ही कर व् दंड से मुक्ति पा सकते है |

तत्पशचात श्री अक्षय गुप्ता, सीए, ने बताया की यह बजट पिछले सभी वर्षो से अलग है | इस समय जब विश्व की अर्थव्यवस्था की रफ़्तार सुस्त है उस समय वर्ल्ड बैंक ने हिन्दुस्तान की अर्थव्यवस्था को एक प्रकाश पुंज बताया | इसके लिए उन्होंने केंद्र सरकार की प्रशंसा करते हुए बताया कि जहाँ पर 65% आबादी गाव की है वहां की आर्थिक स्थिति में सुधार की आवश्यकता को पहचानते हुए यह बजट प्रस्ताव दिए गए है इससे हमारे देश का सर्वांगीण विकास होगा |

आयोजित गोष्ठी का संचालन सीए सुधीन्द्र जैन जी ने किया एवं सूचित किया की हमे करदाताओ की संख्या को बढाना है जिससे हमारे भारत देश के विकास हो सके |

उपस्थित गणमान्य: श्री पदम् कुमार जैन, उपाध्यक्ष, मर्चेंट्स चैम्बर ऑफ उत्तर प्रदेश, श्री ए0के0सिन्हा, सचिव, मर्चेंट्स चैम्बर ऑफ उत्तर प्रदेश, श्री मुकुल टंडन एवं मर्चेंट्स चैम्बर ऑफ उत्तर प्रदेश एवं, इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन, श्री शैलेन्द्र सचान, कानपुर इनकम टैक्स बार एसोसिएशन एवंसहयोगी संस्थाओं के सदस्यगण उपस्थित थे |

सधन्यवाद
मर्चेंट्स चैम्बर ऑफ उत्तर प्रदेश